पानसेमल स्थानीय संस्था शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

पानसेमल। जिला बड़वानी में भारत स्काउट एंड गाइड का तहसील स्तरीय बिगीनर्स प्रशिक्षण शिविर का आयोजन नियोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन अर्चना एवं स्काउट गाइड प्रार्थना के साथ किया गया। विकास खंड सचिव भारत स्काउट एंड गाइड पानसेमल श्री संजय कुमार शिरोडे ने बताया कि शिविर का उद्देश्य विकास खंड की शैक्षणिक संस्थाओं में स्काउट एंड गाइड की गतिविधियो को प्रभावी रूप से संचालित करना तथा विद्यार्थियों को आगामी सेवा कार्यों के लिए तैयार करना है। जिला स्तर से श्री गणेश श्रीवास्तव जिला संगठन आयुक्त एवं ओमकार आर्य के मार्ग दर्शन में प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री श्रीवास्तव ने कहा कि विकास खंड की प्रत्येक शैक्षणिक संस्था में कम से कम एक स्काउट मास्टर/गाइड कैप्टन की नियुक्ति कर स्काउट गाइड की गतिविधियों को शासन के नियमानुसार नियमित रूप से संचालित किया जाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों के 8, 16, 32 की संख्या में दल गठित कर सप्ताह में एक या दो दिन स्काउटिंग एवं गाइडिंग के विभिन्न कौशलयों का प्रशिक्षण देने के लिए प्रेरित किया ताकि वर्ष 2028 में उज्जैन कुंभ सिंहस्थ के दौरान होने वाले सेवा कार्यों के लिए अभी से प्रशिक्षित स्काउट एंड गाइड तैयार करना आवश्यक है। कार्यक्रम में बीईओ विनोद पाटीदार, संस्था प्रभारी सरिता धार्वे सहित विभिन्न विद्यालयों से आए संस्था प्रभारी, शिक्षक शिक्षिकाएं एवं स्काउट गाइड से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विकासखंड सचिव श्री संजय कुमार शिरोडे ने अतिथियों, संस्था प्रभारी एवं प्रतिभागियों का सहर्ष आभार व्यक्त किया इसके साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आज भाई की कलाई पर सजेगा बहन का प्यार

महंगाई के बीच रक्षाबंधन का उत्साह बरकरार

सिंघाना/चेतन जिराती। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व आज 28 अगस्त को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर सिंघाना नगर के बाजार में बीते कुछ दिनों से रौनक बढ़ी हुई है। रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियों से सजी दुकानें लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं। बाजार में बहनों के साथ बच्चों और युवतियों की भीड़ दिखाई दे रही है, जो अपने भाइयों के लिए पसंदीदा राखियां खरीदने में जुटे हैं।

रक्षाबंधन के एक दिन पहले बाजार में खरीदारी का सिलसिला तेज हो गया। राखी की दुकानों पर सुबह से ही ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। कोई पारंपरिक राखी पसंद कर रहा था तो कोई फैंसी और आकर्षक डिजाइन वाली राखी तलाश रहा था। बच्चों में कार्टून कैरेक्टर और अलग-अलग रंगों वाली राखियों को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया।

राखियों की विभिन्न वैरायटी बनी आकर्षण

सिंघाना बाजार में इस बार राखियों की कई नई डिजाइन देखने को मिल रही हैं। पारंपरिक राखियों के साथ फैंसी राखियां, मोती और नग जड़ी राखियां, रुद्राक्ष वाली राखियां तथा बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर वाली राखियां विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। छोटे बच्चों से लेकर युवाओं तक अपनी पसंद के अनुसार राखियां खरीदी जा रही हैं।

बहनें राखी खरीदते समय भाई की उम्र, पसंद और व्यक्तित्व का भी ध्यान रख रही हैं। कुछ बहनें साधारण और पारंपरिक राखियां पसंद कर रही हैं, वहीं कई युवतियां आकर्षक और आधुनिक डिजाइन वाली राखियां खरीद रही हैं। बाजार में राखियों की सजी दुकानें दूर से ही लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं।

महंगाई के बावजूद त्योहार की रौनक कायम

रक्षाबंधन की तैयारियों के बीच महंगाई का असर भी लोगों की जेब पर दिखाई दे रहा है। शकर, नारियल, खोपरा गोला और सफर सहित त्योहार से जुड़ी कई वस्तुओं के दाम बढ़ने से पर्व का खर्च पहले की तुलना में बढ़ा है। मिठाई, पूजन सामग्री और अन्य आवश्यक सामान खरीदने में लोगों को अधिक राशि खर्च करनी पड़ रही है।

इसके बावजूद भाई-बहन के प्रेम से जुड़े इस पर्व को लेकर लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ है। लोगों का कहना है कि रक्षाबंधन साल में एक बार आने वाला विशेष पर्व है, इसलिए महंगाई के बावजूद वे अपनी क्षमता के अनुसार पर्व को खुशी और उत्साह के साथ मनाने की तैयारी कर रहे हैं।

रक्षाबंधन को लेकर सिंघाना बाजार में बढ़ी रौनक, रंग-बिरंगी राखियों से सजी दुकानें

राखी के साथ मिठाई और उपहारों की खरीदारी

रक्षाबंधन पर राखी बांधने के साथ मिठाई, नारियल और उपहार देने की भी परंपरा है। इसी को देखते हुए बाजार में मिठाई, नारियल, खोपरा गोला तथा अन्य सामग्री की खरीदारी भी बढ़ गई है। कई बहनें अपने भाइयों के लिए राखी के साथ विशेष उपहार भी खरीद रही हैं।

भाई भी अपनी बहनों को उपहार देने के लिए कपड़े, सौंदर्य सामग्री, घरेलू उपयोग की वस्तुएं तथा अन्य पसंदीदा सामान खरीद रहे हैं। इसके चलते बाजार में केवल राखी की दुकानों पर ही नहीं, बल्कि कपड़े, मिठाई और गिफ्ट की दुकानों पर भी चहल-पहल दिखाई दे रही है।

भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत करता है रक्षाबंधन

रक्षाबंधन केवल कलाई पर राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास और अपनत्व को मजबूत करने का अवसर है।

राखी का धागा भाई-बहन के स्नेह और एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक माना जाता है। समय के साथ त्योहार मनाने के तरीकों में बदलाव आया है, लेकिन भाई-बहन के रिश्ते की मिठास आज भी कायम है।

आज 28 अगस्त को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर सिंघाना सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी उत्साह का माहौल रहेगा। महंगाई के बीच भले ही लोगों को खरीदारी के लिए अधिक खर्च करना पड़ रहा हो, लेकिन भाई की कलाई पर बहन के प्यार की राखी बांधने की खुशी के आगे महंगाई का असर फीका नजर आ रहा है। बाजार की रौनक और राखियों की खरीदारी से साफ है कि रिश्तों के इस पवित्र पर्व का उत्साह आज भी लोगों के दिलों में उतना ही बरकरार है।

बंधारेश्वर से कावड़ भरकर 6 किलोमीटर पैदल चलकर कुंतेश्वर महादेव का किया जलाभिषेक

पानसेमल । नगर के जवाई नगर में स्थित कुंतेश्वर महादेव मंदिर के श्रद्धालु बंधारेश्वर कावड़ भरने पहुंचे थे । जहां पर बंधारेश्वर महाराज की पूजा पाठ करके संगम स्थल से कावड़ भरी गई । करीब 7 किलोमीटर पैदल यात्रा करते हुए महिला पुरुष श्रद्धालु पानसेमल नगर के जवाई नगर में स्थित कुंतेश्वर महादेव का जलाभिषेक करने पहुंचे। संतोष खेरे ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार बंधारेश्वर से तीर्थ जल लाकर कुंतेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया जाता है । इस बार भी कावड़ के जल से कुंतेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया गया । रास्ते में त्यागेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं का विश्राम हुआ जहां पर अजय मोरे द्वारा सभी को प्रसादी व फरियाली की सेवा दी गई । जलाभिषेक के पश्चात महा आरती व प्रसादी वितरित की गई ।

दंडवत कर अनूठी कावड़ यात्रा कर रहा शिव भक्त -वही कुंतेश्वर कावड़ यात्रा के साथ ही पानसेमल नगर के नया प्लाट के रहने वाले शिव भक्त नितेश देवराम सोलंकी एक अनोखी कावड़ यात्रा बंधारेश्वर से लेकर कुंतेश्वर महादेव तक कर रहे है। उन्होंने एक चार पहिया छोटी सी गाड़ी में कावड़ भरी है। जिसे वह दंडवत करते हुए आगे बढ़ाते चल रहे हैं । उनके द्वारा बंधारेश्वर तीर्थ से ही जल भरा गया है और इस कठिन पदयात्रा करते हुए वह कुंतेश्वर महादेव पहुंचेंगे । जहां वे भोलेनाथ का विधिवत जलाभिषेक करेंगे । उनके मित्र और परिजन उनके साथ चल रहे हैं । इस अनोखी कावड़ यात्रा को करते हुए वह भोलेनाथ का नाम जप कर संकल्प को पूरा कर रहे हैं । नगर से प्रथम बार इस तरह की अनोखी दंडवत कावड़ पदयात्रा नितेश सोलंकी द्वारा की जा रही है, जिसे देखकर उनकी भक्ति की लोग सराहना कर रहे हैं ।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस का हल्लाबोल सैलाना थाने तक पैदल मार्च निकाला

शक्कर-तेल समेत खाद्य वस्तुओं के बढ़ते दामों के खिलाफ प्रदर्शन

सैलाना। शक्कर, चाय, खाद्य तेल सहित रोजमर्रा की जरूरत की खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के विरोध में गुरुवार को कांग्रेस ने सैलाना में जोरदार प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी रतलाम अध्यक्ष एवं सैलाना विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक हर्षविजय गेहलोत के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विधायक कार्यालय से सैलाना थाने तक पैदल मार्च निकाला।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने महंगाई के विरोध में नारेबाजी करते हुए आमजन को प्रसाद के रूप में शक्कर वितरित कर सरकार का ध्यान बढ़ती कीमतों की ओर आकर्षित किया। पैदल मार्च के दौरान पूर्व विधायक हर्षविजय गेहलोत ने कहा कि आवश्यक खाद्य वस्तुओं के लगातार बढ़ते दामों ने आम परिवारों की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। शक्कर, चाय और खाद्य तेल जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर मध्यम एवं निम्न आय वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है। जुलूस सैलाना थाने पहुंचने के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन तहसीलदार मनीष जैन को सौंपा। ज्ञापन का वाचन जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक हर्षविजय गेहलोत ने किया।

इस दौरान थाना प्रभारी पिंकी आकाश, सब इंस्पेक्टर शिवनाथ राठौर सहित पुलिस बल मौजूद रहा। ज्ञापन में कांग्रेस ने कहा कि शक्कर, चाय, खाद्य तेल एवं अन्य आवश्यक खाद्य सामग्रियों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे आम नागरिकों के सामने दैनिक जरूरतें पूरी करने की चुनौती बढ़ रही है। कांग्रेस ने आवश्यक वस्तुओं की कीमतों की नियमित निगरानी, जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर प्रभावी कार्रवाई तथा आम जनता को उचित मूल्य पर खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश डिंडोर, नगर परिषद अध्यक्ष चैतन्य शुक्ला, पूर्व मंडी अध्यक्ष शेखर गेहलोत, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष जगदीश पाटीदार, पार्षद मंगलेश कसेरा, दिनेश सोनी, हनी गेहलोत, हेमंत कुमावत, वजेसिंह खराड़ी, श्यामलाल, निर्भय सिंह लबाना, सेवालाल, समरथ टांक सहित कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नगर के वरिष्ठजन मौजूद रहे। पूर्व विधायक हर्षविजय गेहलोत ने कहा कि महंगाई का सबसे सीधा असर आम आदमी की रसोई पर पड़ता है। सरकार को बढ़ती कीमतों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में राहत नहीं मिली तो कांग्रेस आम जनता के हित में आंदोलन को और व्यापक करेगी।

कांग्रेस ने राज्य शासन से बढ़ती महंगाई का तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक खाद्य वस्तुओं के दाम नियंत्रित करने तथा आम जनता को राहत दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

प्रेम, विश्वास, स्नेह और जिम्मेदारियों के प्रतीक का उत्सव रक्षा बंधन उत्सव - भूषण भट्ट

थांदला,,,मनोज उपाध्याय। मेट्रो एजुकेशन एकेडमी विद्यालय में रक्षा बंधन उत्सव विद्यार्थियों के मध्य मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा रक्षा सूत्र का निर्माण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सम्मिलित हो कर सुंदर और आकर्षक राखियां तैयार की गई इस प्रतियोगिता का उद्देश्य स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ साथ स्वालंबन, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण के प्रति सजगता के अपनी कला और कल्पनाशक्ति को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित की गई। इस अवसर पर विद्यालय की सभी छात्राओं ने अपने सहपाठी अध्यनरत छात्रों को कलाइयों पर रक्षा सूत्र बांध कर रचनात्मकता,परम्परा ,भाई बहनों के प्रेम का उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के संचालक भूषण भट्ट द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुवे कहा कि रक्षा बंधन का अर्थ केवल राखी बांधने का त्यौहार नहीं है। बल्कि ये उत्सव प्रेम ,विश्वास, , स्नेह और जिम्मेदारियों के प्रतीक का उत्सव है।रक्षा का अर्थ केवल किसी एक व्यक्ति की रक्षा करना नहीं है। हमें अपने परिवार,समाज, राष्ट्र , पर्यावरण,संस्कृति की रक्षा का संकल्प लेने का पर्व भी है।हमें इन सब की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए ।अपने उत्सव केवल उत्सव मनाना नहीं सिखाते बल्कि मानवीय मूल्यों और संस्कारों को जीवन में उतारने का संदेश देते हैं।हम सब इस रक्षा बंधन पर केवल कलाई पर राखी बांध कर नहीं बल्कि अपने हृदय में प्रेम ,सम्मान जिम्मेदारियों का बंधन बांधे। सभी विद्यार्थियों ,शिक्षक, शिक्षिकाओं और विद्यालय परिवार की तरफ से रक्षा बंधन की शुभकामनाएं प्रेषित की।

30 अगस्त को राजपुर के टांडा उमरिया में प्रदेश स्तरीय तीज महोत्सव

बंजारा समाज की संस्कृति, वेशभूषा और लोकनृत्य का दिखेगा भव्य नजारा

कमलेश सोनी/पलसूद। प्रकृति पूजक बंजारा समाज की परंपरा, संस्कृति और लोक विरासत को सहेजने के उद्देश्य से 30 अगस्त को टांडा उमरिया, राजपुर में प्रदेश स्तरीय तीज महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। बंजारा युवा सेवा संघ मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित यह महोत्सव सुबह 10 बजे से शुरू होगा। आयोजन का मार्गदर्शन बंजारा विरासत संघ भारत कर रहा है। संस्कृति और परंपरा का संगम-महोत्सव में बंजारा समाज की पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीत और लोकनृत्य की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। कार्यक्रम में संत श्री सेवालालजी महाराज के विचारों और समाज की सांस्कृतिक विरासत को प्रमुखता से रखा जाएगा। आयोजकों का उद्देश्य नई पीढ़ी को बंजारा समाज की परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ना भी है।

कई गणमान्य होंगे शामिल-महोत्सव में महाराष्ट्र सरकार के मंत्री एवं जलसंधारण राज्यमंत्री संजय भाऊ राठौड़, कर्नाटक के पूर्व सांसद एवं बंजारा समाज के राष्ट्रीय नायक उमेश जाधव तथा ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ के अध्यक्ष शंकर भाऊ पंवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में बड़वानी जिले के विभिन्न टांडा क्षेत्रों सहित बड़ी संख्या में समाजजन भाग लेंगे। महिलाओं और युवाओं द्वारा दी जाने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां महोत्सव की विशेष पहचान होंगी।

52 टांडा वासियों को निमंत्रण-आयोजन समिति ने बड़वानी जिले के समस्त 52 टांडा निवासियों से महोत्सव में सहभागिता का अनुरोध किया है। आयोजन को लेकर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में तैयारियां जोरों पर शुरू हो गई हैं। समाजजनों में इस प्रदेश स्तरीय आयोजन को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है।

कागज पर आदेश कहाँ?

छात्रावासो के गेट पर बाहरी प्रवेश पर रोक आरटीआई में मांगा प्रतिबंध का आधार

प्रशासनिक प्रतिबंध के आधार और उसके अभिलेखीय अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न

नेपानगर। बुरहानपुर जिले के शासकीय अनुसूचित जाति एवं जनजातीय छात्रावासों में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर लगाए गए प्रतिबंध को लेकर अब उसके दस्तावेजी एवं वैधानिक आधार पर सवाल खड़े हुए हैं।

छात्रावासों के मुख्य प्रवेश द्वार पर बिना अनुमति बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश निषिद्ध है जैसे बोर्ड लगाए जाने के बाद इस प्रतिबंध के पीछे मौजूद शासनादेश, अधिसूचना, परिपत्र अथवा सक्षम प्राधिकारी के आदेश की जानकारी सूचना के अधिकार के माध्यम से मांगी गई।

मामले में उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार, उद्देश्य प्रतिबंध का उल्लंघन करना नहीं, बल्कि यह पता करना था कि सार्वजनिक छात्रावास में लागू किए गए प्रवेश प्रतिबंध का लिखित एवं वैधानिक आधार क्या है। इसी को लेकर बुरहानपुर जिले के सहायक आयुक्त विभाग से अभिलेख मांगे गए। विभाग ने प्रतिलिपि उपलब्ध कराने के लिए शुल्क की मांग की, जिसे आवेदक द्वारा जमा किया गया। इसके बावजूद उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार प्रतिबंध को स्थापित करने वाला स्पष्ट शासनादेश अथवा वैधानिक अभिलेख प्रभावी रूप से सामने नहीं आया।

आरटीआई से शुरू हुआ मामला-

आरटीआई प्रक्रिया के दौरान सूचना उपलब्ध नहीं होने पर मामला प्रथम अपील फिर द्वितीय अपील सहित आगे के वैधानिक मंचों का सहारा लिया गया। यह केवल सूचना प्राप्ति का विवाद नहीं, बल्कि प्रशासनिक प्रतिबंध का आधार और उसके अभिलेखीय अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न है कि विभागीय स्तर से समय पर प्रभावी सूचना नहीं मिलने के बाद लोक सुचना अधिकारी सहायक आयुक्त कार्यालय बुरहानपुर की ओर से व्हाट्सएप कहे जाने की स्थिति सामने आई, लेकिन संबंधित आदेश, अधिसूचना अथवा प्रतिबंध का प्रमाणित दस्तावेज उपलब्ध होने का स्पष्ट रिकॉर्ड नहीं मिला।

बाल अधिकार आयोग एवं राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग तक भी पहुंचाः

मामला बाद में मध्य प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के समक्ष भी प्रस्तुत किया गया। इसके बाद आयोग स्तर पर दूरभाष संपर्क, रिप्रजेंटेशन और पत्राचार हुआ।

केस फाइल के अनुसार आयोग के स्तर पर विषय संज्ञान में आया, लेकिन प्रतिबंध के मूल वैधानिक आधार पर कोई स्पष्ट अंतिम निष्कर्ष नहीं निकला।

इसके बाद मामला राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग तक भी पहुंचा। जहाँ राष्ट्रीय स्तर पर शिकायत प्रस्तुत किए जाने और उसके परीक्षण का उल्लेख है।

सवाल छात्रावास में प्रवेश का नहीं, आदेश काः

पूरे मामले का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि यदि छात्रावासों में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर प्रतिबंध किसी सक्षम आदेश के आधार पर लगाया गया है, तो उस आदेश की प्रमाणित प्रति और उसका अभिलेखीय आधार कहां है? इसी प्रश्न को प्रशासनिक अधिकार, वैधानिक आधार, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य छात्रावास के नियमों का उल्लंघन करना नहीं, बल्कि यह सत्यापित करना था कि सार्वजनिक संस्थान में लागू किया गया प्रतिबंध किस विधिक प्राधिकार के आधार पर लागू है।

ऐसे में अब मूल सवाल वही है जिले के अधिकांश जनजातीय छात्रवासों के मुख्य प्रवेश द्वार पर प्रतिबंध तो दिखाई दे रहा है, लेकिन उसे लागू करने वाला कागज कहां है?